30/04/2020.

पटियाला घराने का विकास एवं विशेषतायें :-

इस घराने को अलैया जिन्हें अलीबख्श कहते थे तथा फत्तू जिन्हें फतेह अली कहते थे, इन दो भाइयों ने चलाया। कुछ लोगों का विचार है कि इन लोगों के पिता बड़े मियाँ कालू खाँ ने इस घराने की नींव डाली। इन दो भाइयों ने जयपुर की ~~गोरखी~~ गोरखी बाई, बैरामखाँ तथा तानरस खाँ से शिक्षा प्राप्त की थी और पटियाला घराने को बढ़ाया। अभी तक इस घराने का प्रतिनिधित्व बड़े गुलाम अली खाँ कर रहे थे। बड़े गुलाम अली खाँ को अपने चाचा काले खाँ से शिक्षा मिली। अली खाँ के पिता अलीबख्श और चाचा काले खाँ को बड़े, कालू खाँ से शिक्षा प्राप्त हुई। बड़े गुलाम अली खाँ को फतेह अली द्वारा भी शिक्षा मिली थी। अभी तक इस घराने का प्रतिनिधित्व बड़े गुलाम अली खाँ के पुत्र मुनव्वर अली खाँ कर रहे थे।

पटियाला घराने की विशेषतायें :-

1) ख्याल की कलापूर्ण बन्दिश

2) अलंकारिक, वक्र तथा फिरत किन्तु संक्षिप्त ख्याल

3) तानों की तैयारी और उनका अधिक प्रयोग

4) ख्याल के साथ पंजाब अंग की ठुमरी गाने में निपुणता

5) गले की तैयारी